पुःना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

SUMMATIVE ASSIGNMENT -2 2020-21	
Grade – 5	विषय हिंदी -
Syllabus – CH-10,11,12,13,14,15,16,17,18	FROM TEXTBOOK

General Instructions

- **The paper is divided into four sections**
- **All questions are compulsory.**

सामान्य निर्देश -
इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं क -, ख, ग, घ
सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं

[READING SECTION] पठन

1. एक जंगल में परिजात का एक पेड़ था। परिजात का कोई मुकाबला नहीं था। उसकी सुंदरता बेजोड़ थी। उसका रंग-निराला था। परिजात को भी अपने गुणों का पूरा-पूरा पता था। नीले आसमान में सिर उठाए इस शान से खड़ा रहता, मानों पेड़ों का सरताज हो। जब बहार के दिन आते तो परिजात अनगिनत नन्हें-नन्हें फूलों से लद जाता, लगता मानों किसी ने आकाश से सारे तारे तोड़कर परिजात की शाखाओं पर टाँक दिए हो। नन्हें फूलों से झिलमिलाता परिजात जब सुगंध भरी पराग जंगल में बिखेरता तो जंगल नंदन बन जाता। चुंबक की तरह परिजात सबको अपनी तरफ़ खींचता, जिसे देखो, वही परिजात की तरफ़ भागता । सतरंगी शालें ओढ़े चटकीली तितलियाँ सहेलियों के साथ झुंड का झुंड बनाकर परिजात का श्रृंगार देखने आतीं तथा जाते-जाते फूलों को खींचकर ढेरों पराग अपने साथ ले जातीं।

I : जंगल में किसका पेड़ था?
उत्तर : परिजात
ii : परिजात अपने आप को स्वयं क्या समझता था?
उत्तर : **पेड़ों का सरताज**
iii : वह अनगिनत फूलों से कब लद जाता था?
उत्तर : **बहार में**
iv : तितलियाँ क्या करती थीं?
उत्तर : **उसके फूलों का पराग ले जाती थीं**
v : इस गद्यांश का शीर्षक है
उत्तर : **परिजात पेड़ों का सरताज**

2. 3 दिसंबर 1984 को भोपाल में एक फैक्ट्री से मिथाइल आइसो साइनेट नामक एक बेहद जहरीली एवं जानलेवा गैस रिसकर हवा में मिल गई। इस गैस का रिसाव इतनी जल्दी हुआ कि फैक्ट्री के आस-पास रहने वाले लोग भाग भी न सके। वैसे भी यह रात के समय हुआ था। इस जहरीली गैस की मात्रा इतनी अधिक थी कि लोगों को उसी समय साँस लेने में परेशानी होने लगी।लोगों ने वहाँ से भागना चाहा पर वे भाग न सके और असमय मौत का शिकार बन गए। लाखों लोग श्वसन तंत्र की बीमारियों का शिकार बन गए और बाद में भी की लोग मर गए। यहाँ तक कि उस समय के बाद कुछ सालों तक अपंग बच्चे पैदा

हुए या उन्हें श्वास संबंधी कोई रोग था। पेड़ -पौधों के पत्ते काले होते गए और वे नष्ट हो गए। आज इतने सालों बाद भी लोग इन बिमारियों का परिणाम भुगत रहे हैं।

(क) लोग किस बीमारी का शिकार हो गए?

उत्तर : लोग श्वसन तंत्र की बीमारियों का शिकार बन गए

(ख) 1984 भोपाल की फैक्ट्री में कौन-सी दुर्घटना घटी?

उत्तर : भोपाल में एक फैक्ट्री से मिथाइल आइसो साइनेट नामक एक बेहद जहरीली एवं जानलेवा गैस रिसकर हवा में मिल गई।

(ग) लोग चाहकर भी क्यों न भाग सके?

उत्तर : इस जहरीली गैस की मात्रा इतनी अधिक थी कि लोगों को उसी समय साँस लेने में परेशानी होने लगी।लोगों ने वहाँ से भागना चाहा पर वे भाग न सके।

ड़) प्रथम पंक्ति में 'गैस' के लिए प्रयुक्त एक विशेषन लिखिए।

उत्तर : जहरीली एवं जानलेवा

3. माँ, ये लहरें भी गाती हैं
कल-कल, छल-छल के मधुर स्वर में
अपना गीत सुनाती हैं।
मैं कब से बुला रही इनको
पर मेरे पास नहीं आती हैं।
कुछ खेल खेलती इसलिय
तट तक आकर फिर भाग जातीं
मैं चलूँ, साथ खेलूँ इनके
देखो ये मुझे बुलाती हैं।
माँ, ये लहरें भी गाती हैं।

i :लहरें क्या और किस प्रकार सुनाती हैं?

उत्तर : कल-कल मधुर गीत

ii : कौन, किसे बुला रहा है?

उत्तर : माँ बच्चे को

iii :'तट' शब्द का पर्यावाची लिखिए।

उत्तर : **किनारा**

iv :.'मधुर' शब्द का विलोम लिखिए।

उत्तर : **कड़वा**

V : .पद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तर : **कवि और उसकी माँ**

4 .गरमी के इस प्रकोप से अपने आपको बचाने के लिए मनुष्य ने उपाय खोज निकाले हैं। साधारण आय वाले घरों में बिजली
के पंखे चल रहे हैं, जो नर-नारियों की पसीने से रक्षा करते हैं। अमीरों के यहाँ वातानुकूलन यंत्र लगे हैं। समर्थ जन गरमी से बचनेके लिए पहाड़ी स्थलों पर चले जाते हैं और ज्येष्ठ की तपती दोपहरी पहाड़ की ठंडी हवाओं में बिताते हैं। प्यास बुझाने के लिए शीतल पेय है बर्फ और बर्फ से बने पदार्थ ग्रीष्म के शत्रु और लोगों के लिए वरदान हैं।

I :गरमी के प्रकोप से बचने के लिए किसने उपाय खोज निकाले हैं?

उत्तर : **मनुष्यों ने**

ii :अमीरों के यहाँ क्या लगे हुए हैं?

उत्तर : **वातानुकूलन के यंत्र**

iii :समर्थ जन गरमी से बचने के लिए कहाँ चले जाते हैं?

उत्तर : **पहाड़ों पर**

Iv: प्यास बुझाने के लिए क्या है?

***उत्तर* : शीतल पेय**

5. समय बहुत मूल्यावान होता है। यह बीत जाए तो लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करके भी इसे वापस नहीं लाया जा सकता। इस संसार में जिसने भी समय की कद्र की है, उसने सुख के साथ जीवन गुजारा है और जिसने समय की बर्बादी की, वह खुद ही बर्बाद हो गया है। समय का मूल्य उस खिलाड़ी से पूछिए, जो सेकंड के सौवे हिस्से से पदक चूक गया हो। स्टेशन पर खड़ी रेलगाड़ी एक मिनट के विलंब से छूट जाती है। आजकल तो कई विद्यालयों में देरी से आने पर विद्यालय में प्रवेश भी नहीं करने दिया जाता। छात्रों को तो समय का मूल्य और भी अच्छी तरह समझ लेना चाहिए, क्योंकि इस जीवन की कद्र करके वे अपने जीवन के लक्ष्य को पा सकते हैं।

(क) उपरोक्त गद्यांश में कीमती किसे माना गया है?

***उत्तर* :** समय

(ख) किसने सुख के साथ जीवन गुजारा

***उत्तर* :** जिसने भी समय की कद्र की है

(घ) सेकंड के सौवें हिस्से से पदक कौन चूक जाता है

***उत्तर* :** खिलाड़ी

(घ) छात्रों को समय की कद्र करने से क्या लाभ होता है?

***उत्तर* :** अपने जीवन के लक्ष्य को पा सकते हैं।

(ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा

***उत्तर* :** . समय बहुत मूल्यावान होता है।

[WRITING SECTION] लेखन

प्रिय खेल क्रिकेट

भारत में क्रिकेट का खेल कई वर्षों से खेला जा रहा है, यह एक काफी प्रसिद्ध तथा रोमांचक खेल है। इसे खेल को बच्चों द्वारा काफी पसंद किया जाता है सामान्यतः छोटे मैदान, सड़क जैसे आदि जैसे किसी भी छोटे खुले स्थानों पर उनकी क्रिकेट खेलने की आदत होती है।

बच्चे क्रिकेट और उसके नियम-कानूनों के बारे में जानकारी के शौकीन होते है। भारत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेले जाने वाले में खेलों में क्रिकेट सबसे अधिक प्रसिद्ध है। लोगों में क्रिकेट की लोकप्रियता इतनी अधिक है कि इस खेल को देखने के लिए दर्शकों की जितनी भीड़ स्टेडियम में जाती है उतनी शायद ही किसी दूसरे खेल में जाती हो।

क्रिकेट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों द्वारा पर खेला जाने वाला एक पेशेवर स्तर का आउटडोर खेल है। इस बाहर खेले जाने वाले खेल में 11 खिलाड़ियों की दो टीमें होती है। क्रिकेट तब तक खेला जाता है जब तक 50 ओवर पूरे न होजाए इससे जुड़े नियम-कानून का संचालन तथा नियमन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और मेर्लबोर्न क्रिकेट क्लब द्वारा किया जाता है। यह खेल टेस्ट मैचों और एक दिवसीय तथा टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के रुप में खेला जाता है। सर्वप्रथम यह खेल 16वीं शताब्दी के दक्षिणी इंग्लैंड में खेला जाता था। हालाँकि 18वीं शताब्दी के दौरान इसका विकास इंग्लैंड के राष्ट्रीय खेल के रुप में हुआ।

भारत में छोटे बच्चे इस खेल के दिवाने है और वह इसे छोटी सी खुली जगहों में खेलते है, खासतौर से सड़क और पार्क में। अगर इसे रोज खेला और अभ्यास किया जाये तो ये बहुत ही आसान खेल है। क्रिकेट खिलाड़ियों को अपने खेल में सुधार लाने के लिये रोज अभ्यास की जरूरत पड़ती है जिससे वो छोटी-छोटी गलतियों को दूर कर सकें और पूरे प्रवाह के साथ इसे खेल सकें।

2. दशहरा

दशहरा या विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक, शौर्य का उपासक है। आश्विन शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला दशहरा यानी आयुध-पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है।असत्य पर सत्य की विजय - भगवा राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इस दशमी को विजया दशमी के नाम से जाना जाता है।

दशहरा वर्ष की तीन अत्यंत शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारंभ करते हैं, इस दिन शस्त्र-पूजा, वाहन पूजा की जाती है।राम और रावण का युद्ध- रावण भगवान राम की पत्नiदेवी सीता का अपहरण कर लंका ले गया था। भगवान राम युद्ध की देवी मां दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक मां दुर्गा कीपूजा की और दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। इसलिए विजयादशमी एक बहुत हीमहत्वपूर्ण दिन है। राम की विजय के प्रतीक स्वरूप इस पर्व को 'विजयादशमी' कहा जाता है।दशहरा पर्व पर मेले- दशहरा पर्व को मनाने के लिए जगह-जगह बड़े मेलों का आयोजन किया जाता है।

३: क्रिसमस

क्रिश्चियन समुदाय के लोग हर साल 25 दिसंबर के दिन क्रिसमस का त्योहार मनाते हैं। यह ईसाइयों का सबसे बड़ा त्योहार है। इसी दिन प्रभु ईसा मसीह या जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था इसलिए इसे बड़ा दिन भी कहते हैं। क्रिसमस के 15 दिन पहले से ही मसीह समाज के लोग इसकी तैयारियों में जुट जाते हैं। लगभग एक सप्ताह तक छुट्टी रहती है और इस दौरान बाजारों की रौनक बढ़ जाती है। घर और बाजार रंगीन रोशनियों से जगमगा उठते हैं।

क्रिसमस के कुछ दिन पहले से ही चर्च में विभिन्न कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं जो न्यू ईयर तक चलते रहते हैं। मसीह गीतों की अंताक्षरी खेली जाती है, विभिन्न प्रकार के गेम्स खेले जाते है, प्रार्थनाएं की जाती हैं आदि। ईसाई समुदाय के लोगों द्वारा अपने घरों की सफाई की जाती है, नए कपड़े खरीदे जाते हैं एवं विभिन्न प्रकार के व्यंजन भी बनाए जाते हैं।
इस दिन के लिए विशेष रूप से चर्चों को सजाया जाता है और प्रभु यीशु मसीह की जन्म गाथा को नाटक के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। कई जगह क्रिसमस की पूर्व रात्रि, गिरिजाघरों में रात्रिकालीन प्रार्थना सभा की जाती है जो रात

के 12 बजे तक चलती है। ठीक12 बजे लोग अपने प्रियजनों को क्रिसमस की बधाइयां देते हैं और खुशियां मनाते हैं।क्रिसमस की सुबह गिरिजाघरों
में विशेष प्रार्थना सभा होती है। कई जगह क्रिसमस के दिन मसीह समाज द्वारा जुलूस निकाला जाता है। जिसमें प्रभु यीशु मसीह की झांकियां प्रस्तुत की जाती हैं। सिर्फ ईसाई समुदाय ही नहीं, अन्य धर्मों के लोग भी इस दिन चर्च में मोमबत्तियां जलाकर प्रार्थना करतहैं।

क्रिसमस पर बच्चों के लिए सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र होता है सांताक्लॉज, जो लाल और सफेद कपड़ों में बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और चॉकलेट्स लेकर आता है। यह एक काल्पनिक किरदार होता है जिसके प्रति बच्चों का लगाव होता है। ऐसा कहा जाता है कि सांताक्लाज स्वर्ग से आता है और लोगों को मनचाही चीजें उपहार के तौर पर दे जाता है। यही कारण है कि कुछ लोग सांताक्लाज की वेशभूषा पहन कर बच्चों को भी खुश कर देते हैं।

४: दीपावली

दीपावली अर्थात दीपों का त्यौहार रोशनी का त्यौहार, दीपावली हिंदुओं का सबसे पवित्र और सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है दीपावली या दीवाली किसी भी नाम से पुकारे ये त्यौहार आनंद और प्रकाश ही फैलता है।यह भारतीय संस्कृति का सर्वप्रमुख त्यौहार है यह प्रतिवर्ष कार्तिक अमावस्या को मनाया जाता है 'तमसो मा ज्योतिर्गमय 'अंधेरे से ज्योति अर्थात प्रकाश की ओर जाइये यह अपने उपनिषदों की आज्ञा मानी जाती है अर्थात प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन के गम के अंधेरों को खत्म करके उजाले की ओर जाए अपने मन के अंधेरों को भी खत्म करे यही दीपावली का त्यौहार है।

दीपावली त्यौहार कार्तिक अमावस्या के दिन मनाया जाता है लेकिन यह त्यौहार पांच दिनों का होता है जिनमें (धनतेरस ,नरक चतुर्दशी, अमावस्या ,कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा ,भाई दूज ,)होता है इसलिए यह धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज पर खत्म होता है। पर इसको मनाने की खुशी इतनी होती है। इसकी तैयारी महीनो पहले से ही होने लगती है। दीपावली त्यौहार की तारीख तो हिंदू कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती है परंतु ये अक्टूबर, नवंबर, में मनाया जाता है।

दीपावली मनाने की कई कथाएं प्रचलित हैं पर हम सब जानते हैं कि दीपावली के दिन। भगवान् श्री राम सीता मैया औरलक्ष्मण के साथ असुरराज रावण को मार कर अयोध्या नगरी वापस आए थे, तब नगर वासियों ने उनके आने की खुशी में अयोध्या को साफ-सुथरा करके दीपों से और फूलो, रंगोली, से पूरी० अयोध्या नगरी को इस तरह सज़ा दिया की मानो जैसे वोएक दुल्हन हो तब से लेकर आज तक यह परम्परा चली आ रही है। कार्तिक अमावस्या के गहन अन्धकार को दूरकरने के लिए दीपों को प्रज्वलित किया जाता है और घर आंगन, और हर जगह को जगमगा दिया जाता है।

पत्र-लेखन

१ : विद्यालय में पीने के पानी की उचित व्यवस्था कराने हेतु प्रधानाचार्याजी को प्रार्थना पत्र लिखिए।

दिनांक-:१२-१०-२०२०

पुज्यनीयप्राचार्य,

संतकेव्स्कूल, मुम्बई

आदरनिय प्राचार्य महोदय,

मैंने यह पत्र आपको ये सूचित करने हेतु लिखा है कि, हमारे विद्यालय में पानी की बहुत बड़ी समस्या

उत्पन होगयी है, और ये समस्या पहली बार नहीं, हर गर्मी के मौसम में उत्पन होती है हमारे स्कूल में नल और सिर्फ चापाकल है ,और विद्यार्थियों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती ही जार ही है, जिसकेवजह से

गर्मी के मौसम में हमें पानी पीने के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ता है, और आज कल हमारे स्कूल की पानी भी अच्छी

नहीं रही है, कभी कभी पानी में से गंध आने लगती है। इसलिए में आपसे निवेदन करता हूँ की कृपया आप इस समस्या का निवारण करे।

आपकाआज्ञाकारीछात्र,

आदित्यसिंह।

२ : आपके विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन हेतु इच्छुक छात्रों को जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।
डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल

सूचना
नाटक मंचन का आयोजन

दिनांक :24/08/2017

इस विद्यालय के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन किया जाएगा। जो भी छात्र नाटक में अभिनय करने के इच्छुक हों, वे 03 सितंबर 2017 को अंतिम दो कालांश (Period) में स्क्रीन टेस्ट हेतु क्रिया-कलाप कक्ष में उपस्थित रहें।

राकेश कुमार
छात्र सचिव

३: छोटी बहन को योग तथा प्राणायाम की सलाह देते हुए पत्र लिखिए|

परीक्षा भवन,

.....

18 मई 2019

प्रिय बहन युवलिन,

सस्नेह आशीष।

तुम्हारा पत्र मिला। तुमने लिखा है कि तुम्हारा पाचन खराब रहता है।

प्रिय बहन! सैर, प्राणायाम तथा व्यायाम आवश्यक है, लेकिन एक तुम हो कि कभी व्यायाम नहीं करते। व्यायाम और प्राणायाम के बहुत लाभ होते हैं। जैसे-शरीर के अंग प्रत्यंग में नए रक्त का संचार होता है। जल्दी-जल्दी सांस लेने के कारण फेफड़े खुलते हैं और उनमें ऑक्सीजन अधिक जाती है, जिससे रक्त

शुद्ध होता है।

शरीर की त्वचा के रोम छिद्रों के रास्ते, शरीर में पसीने के रास्ते तथा शरीर के भीतर के विकार बाहर निकल जाते हैं। शरीर की हड्डियों तथा अंगों में लचक पैदा होने के कारण चुस्ती फुर्ती आती है। व्यायाम करने वाला व्यक्ति हमेशा खुश तथा स्वस्थ रहता है, इंद्रियां शुद्ध हो जाती हैं।

व्यायाम अपने सामर्थ्य अनुसार ही करना चाहिए परंतु निरंतर करना चाहिए।

आशा है कि आप नियमित रूप से व्यायाम करेंगे और आपकी शारीरिक सारी समस्याएं तथा मानसिक समस्याएं अपने आप ही दूर हो जाएंगी।

तुम्हारा भाई,

लेखन-विभाग : कहानी

1: बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछिताय,

एक छोटी लड़की अपने पिताजी के साथ पार्क में खेल रही थी इतने में एक सेव बेचने वाला वहा

से गुजरा जिसे देखकर उस छोटी लड़की ने अपने पिताजी से सेव खरीदने को कहा तो उस लड़की

के पिताजी तो ज्यादा पैसे अपने साथ लाये नही थे तो उन्होंने 2 सेव खरीद लिए और अपनी

बेटी को दे दिया,

और बेटी के हाथो में सेव रखते हुए बोले की क्या इन सेवो में से मुझे भी खिलाओगी यह सुनते

ही उस छोटी लड़की ने तुरंत एक सेव अपने दातो से काट लिया और उसके पिता कुछ बोल

पाते इतने में उस छोटी लड़की ने दूसरा सेव भ अपने दातो से काट लिया,

अपनी बेटी की इस हरकत को देखकर उसके पिता बहुत ही आश्चर्यचकित थे और मन ही

मन सोचने लगे की उसकी बेटी के मन में लालच है इसलिए उसकी बेटी अपनी सेव साक्षा करने

में ऐसा कर रही है और ये सब सोचते हुए बहुत ही गहरी चिंता में डूब गये, चेहरे से प्रसन्नता

गायब हो चुकी थी.

लेकिन इतने में ही अचानक उसकी बेटी ने अपने पिताजी के हाथ पर एक सेव रखते हुए कहा

की "पिताजी यह सेव बहुत ही प्यारा और स्वादिष्ट है और मीठा भी बहुत है इसे आप खाईये"

यह सब बाते सुनकर उस लड़की के पिताजी अवाक थे और पलभर पहले ही अपनी बेटी के बारे

में न जाने क्या क्या सोच लिया था और फिर उन्हें लगा की अब वह जल्दबाजी में कभी भी

ना सोचेगे क्यू जल्दबाजी का निर्णय गलत भी हो सकता है और इस प्रकार अपने बेटी के इस

कार्य से एक बार फिर से उनके चेहरे पर मुस्कान वापस आ गयी और फिन मन ही मन अपने

बेटी पर गर्व करने लगे थे,

किसी भी चीज को तुरंत सोचकर किसी ठोस निर्णय पर न जाए चीजो को समझने के लिए वक्त देना बहुत ही जरुरी होता है क्यूकी जल्दबाजी में लिया गया निर्णय गलत भी हो सकता है.

2: लालच बुरी बला है ।

एक साल पहले एक गांव में एक किसान रहा करता था। वह किसी तरह किसानी से अपना जीवन गुजार रहा था। उसकी पत्नी और बच्चे भी उसी की कमाई पर निर्भर थे। किसान मंडी में कभी – कभी थोड़ा अनाज बेच आता था। एक दिन एक गरीब आदमी किसान के यहां आया और बोला – 'मेरे घर के लोग बहुत भूखे हैं। मैं तुमसे चावल का एक बोरा चाहता हूँ परन्तु बदले में देने के लिए मेरे पास पैसे नहीं हैं।
हां, अगर तुम मेरी इस मुर्गी के बदले चावल दे सको तो बड़ी मेहरबानी होगी?"

किसान गरीब तो था, पर दयालु भी था। वह भूख और गरीबी के मर्म को समझता था, इसलिए उसने मुर्गी के बदले चावल का सौदा कर लिया। इधर वह आदमी चावल का बोरा लादे उसे दुआएं देता चला गया, पर उधर किसान की पत्नी ने अपने पति को इस सौदे के लिए खूब खरी – खोटी सुना डाली।
कुछ समय बीतने के बाद किसान की पत्नी ने उस मुर्गी को एक दिन 'सोने का अंडा' देते देखा, तो उसकी आंखें फटी रह गई। ऐसा तो कभी होते नहीं सुना। उसने झट से सोने का अंडा उठाकर रख लिया और दौड़कर किसान को इस चमत्कार के बारे में बताया। यह जानकर किसान भी खुश हुआ। उसने वह अंडा शहर जाकर बेचा तो खूब धन मिला।

अब मुर्गी रोज सोने का एक अंडा देती और किसान उसे शहर जाकर बेच आता। उनके दिन फिरने लगे। कभी वे अन्न बेचकर कंगाल थे, पर अब सोने का अंडा उन्हें मालामाल कर रहा था। किसान जल्दी ही धनपति हो गया। एक दिन किसान की पत्नी बौखलाई – 'यह मुर्गी बहुत ही आलसी है। यह रोज एक ही अंडा देती है, जबकि इसके पेट में तो कई अंडे हो सकते हैं? क्या तुम इससे और अंडे नहीं निकलवा सकते?' 'नहीं' किसान ने कहा – 'यह नामुमकिन है। हमें ज्यादा लालच नहीं करना चाहिए। भगवान की कृपा से
जो मिल रहा है उसमें खुश रहना चाहिए।'
किसान की पत्नी का स्वभाव कुछ अलग था। वह बड़ी जिद्दी थी। एक दिन जब किसान घर पर नहीं था, तभी उसने छुरी उठाकर मुर्गी का पेट चीर दिया। मुर्गी खून से लथपथ होकर तड़प रही थी। किसान की पत्नी को उसके पेट में जब एक भी अंडा नहीं दिखा, तो वह अपना सिर पकड़ कर बैठ गई। थोड़ी देर में मुर्गी शांत हो गई, अब उन्हें कभी भी सोने के अंडे नहीं मिल सकते थे। आखिर लालच का फल बुरा जो होता है।

[GRAMMAR SECTION] व्याकरण

१: शब्दार्थ लिखिए।

- पाबंदी–रोक
- तकरार–झगड़ा
  दरखास्त–प्रार्थना
- खिदमत–सेवा में
- ऊधम–शोर
- आपा–बड़ी बहन
- बेबस–लाचार
- गुसलखाना–स्नानघर
- खून का घूँट पीना–गुस्सा दबा देना
- इम्तिहान– परीक्षा
- मुआयना–जाँच करना
- निहायत–बिल्कुल
- हुक्म–आदेश
- हर्ज–नुकसान
- प्रबंधक– व्यवस्था करनेवाला
- दस्तकदेना–दरवाज़ा खटखटाना
- भुक्खड़– भूखा
- बदकिस्मती– बुरीकिस्मत
- इर्द–गिर्द–आसपास
- नेकी–भलाई
- एतराज़–आपत्ति, परेशानी
- चेला–शिष्य
- धेला–पैसा
- डगरी–राह, रास्ता
- गगरी–घड़ा
- सुयश–प्रसिद्धि
- विवश–मजबूर
- हाट–बाज़ार
- खता–गलती
- कज़ा–मृत्यु
- भिश्ती–पानी ढ़ोने वाला

- गफ़लत–भूल
- हिकमत–चतुराई
- जल्लाद–फाँसीचढ़ानेवाला
- दनादन–जल्दी–जल्दी
- रेशे–पतले धागे
- वर्दी–एक सीयुनिफार्मि
- दफ्तर–कार्यालय
- खूँखार–डरावना, खतरनाक
- बेवकूफ– मूर्ख६ ऊलजलूल–बेकार की
- मजिस्ट्रेट–दंडाधिकारी
- आँखेफैलाकर– रोचक या रुचिपूर्णढ़ंग से बाते करना
- झरना– पहाड़ी इलाको में ऊपर से गिरतापानी
- दफ्तर– ऑफ़िस, कार्यालय
- आगाह– चेतावनी
- कीटनाशक– कीड़ेमारनेकीदवा
- ढ़ुँलवा– ढ़लानवाला
- तड़के– सुबह–सवेरे
- सीढ़ीनुमा– सीढ़ीजैसेखेत
- कँटीले– काँटेवाली
- बरामदा– घर केबाहर का हिस्सा
- जल–चक्र– पानीबरसने का क्रम
- समस्याओं– कढ़िनाई
- बेवक्त– असमय
- भंडार– कोष, खज़ाना
- तू–तू–मैं–मैं– झगडाकरना
- हालात– परिस्थिति
- जल–स्त्रोतो– पानी का जरियायापानीके साधन
- अमराई– आम का बाग
- कछार– घाटी
- भँवरा– तेजलहरों का गोला
- सघन– घना
- टोला– बस्ती
- काँस– झाँडी
- पाट– विस्तार
- गमछा– छोटा तौलिया
- लोटा– छोटा कलश
- तडके– सुबहसवेरे
- लालिमा– हल्कालाल उजालाजबसूर्यनिकलताहै
- निराला– अनोखा
- स्पर्श– छूना
- दुर्गम– कठिन
- वीरान– सूनसान
- पथरीली– पत्थरों से भरी
- उपचार– इलाज
- ग्लेशियर– बर्फजहाँ से पिघलकर नदीबनतीहै
- सपाट– सीधा

२: पर्यायवाची शब्द

1 : अमृत – सोम, पीयूष, सुधा, अमिय, मधु।

2. अग्नि – आग, हुताशन, अनल, पावक।

3. हवा – पवन, वायु, समीर, अनिल, बयार।

4. बादल – घटा, मेघ, अंबुद, घन।

5. आंख – नेत्र, लोचन, नयन।

6. फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम, प्रसून।

7. अंहकार – घमंड, दंभ, अभिमान, गर्व, मद।

8. सूर्य – सूरज, रवि, भास्कर, दिनकर, भानु।

9. चंद्रमा – चांद, सोम, चन्द्र, शशि।

10. घोड़ा – अश्व, तुरंग, घोटक, वाजि।

11. कुत्ता – श्वान, शुनक, कुक्कुर, सारमेव।

12. पक्षी – खग, पंछी, विहंग, विगह।

13. गंगा – भागीरथी, सुरसरी, देवनदी।

14. अंग – हिस्सा, भाग, अवयव, अंश।

15. अंधकार – अंधेरा, रात्रि, तमस, तिमिर, तम।

16. जंगल – वन, अरण्य, कानन, विपिन।

17. आकाश – अंबर, आसमान, गगन, फलक, व्योम।

३:अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

जो क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य
जहाँ पहुँचा न जा सके – अगम्य
जिसे सबसे पहले गिनना उचित हो – अग्रगण्य
जिसका जन्म पहले हुआ हो – अग्रज
जिसका जन्म बाद/पीछे हुआ हो – अनुज
जिसकी उपमा न हो – अनुपम
जिसका मूल्य न हो। – अमूल्य
जो दूर की न देखे/सोचे – अदूरदर्शी
जिसका पार न हो – अपार
जो दिखाई न दे – अदृश्य
जिसके समान अन्य न हो – अनन्य
जिसके समान दूसरा न हो – अद्वितीय
ऐसे स्थान पर निवास जहाँ कोई पता न पा सके – अज्ञातवास
जो न जानता हो – अज्ञ
जो बूढ़ा (पुराना) न हो – अजर
जो जातियों के बीच में हो – अन्तर्जातीय
आशा से कहीं बढ़कर – आशातीत

४: विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द

अमृत	विष	अथ	इति
अन्धकार	प्रकाश	अल्पायु	दीर्घायु
अनुराग	विराग	आदि	अंत
आगामी	गत	आग्रह	दुराग्रह
अनुज	अग्रज	आकर्षण	विकर्षण

अधिक	न्यून	आदान	प्रदान
आलस्य	स्फूर्ति	अर्थ	अनर्थ
अपेक्षा	नगद	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
आदर्श	यथार्थ	आय	व्यय
आहार	निराहार	आविर्भाव	तिरोभाव
आमिष	निरामिष	अभिज्ञ	अनभिज्ञ
आजादी	गुलामी	अनुकूल	प्रतिकूल
आर्द्र	शुष्क	अल्प	अधिक
अनिवार्य	वैकल्पिक	अमृत	विष
अगम	सुगम	अभिमान	नम्रता
आकाश	पाताल	आशा	निराशा
अनुग्रह	विग्रह	अपमान	सम्मान
आश्रित	निराश्रित	अनुज	अग्रज
अरुचि	रुचि	आदि	अंत

आदान	प्रदान	आरंभ	अंत

५:निम्नलिखित शब्दों के प्रत्यय लगाइये ।

सजावट	सज	+	आवट
पठनीय	पठ	+	अनीय
गवैया	गा	+	वैया
भुलक्कड़	भूल	+	अक्कड़
चलाऊ	चल	+	आऊ
झगड़ालू	झगड़ा	+	आलू
खिलौना	खेल	+	औना

६:निम्नलिखित शब्दों के उपर्सग लगाइये ।

अ- अभाव, निषेध - अछूता, अथाह, अटल
अन- अभाव, निषेध - अनमोल, अनबन, अनपढ़
कु- बुरा - कुचाल, कुचैला, कुचक्र
दु- कम, बुरा - दुबला, दुलारा, दुधारू
नि- कमी - निगोड़ा, निडर, निहत्था, निकम्मा
औ- हीन, निषेध - औगुन, औघर, औसर, औसान
भर- पूरा - भरपेट, भरपूर, भरसक, भरमार
सु- अच्छा - सुडौल, सुजान, सुघड़, सुफल

७:वाक्य को शुद्ध करके लिखिए।

अशुद्ध – कोयल मीठा गाता है।
शुध्द – कोयल मीठा गाती है।

अशुद्ध – ये बक्सा बहुत भारी है।
शुद्ध – यह बक्सा बहुत भारी है।

अशुद्ध – इस वर्ष गेहूँ का फ़सल अच्छा हुआ।
शुद्ध – इस वर्ष गेहूँ की फ़सल अच्छी हुई।

अशुद्ध – पैंट सिल गया है, पर बटन नहीं टँका है ।
शुध्द – पैंट सिल गई है, पर बटन नहीं टँकें हैं।

अशुद्ध – आपके एक-एक शब्द प्रभावशाली होते।
शुध्द – आपका एक-एक शब्द प्रभावशाली होता ।

अशुद्ध –उसके अंग-अंग काट डाले गए।
शुद्ध – उसका अंग-अंग काट डाला गया।

अशुद्ध – गिरते ही उसका प्राण निकल गया।
शुद्ध – गिरते ही उसके प्राण निकल गए।

अशुद्ध – कक्षा में बीस बच्चा अवश्य होना चाहिए।
शुद्ध – कक्षा में बीस बच्चे अवश्य होने चाहिए।
अशुद्ध – आप आए पर तुम बैठे नहीं।
शुद्ध – आप आए पर आप बैठे नहीं।

अशुद्ध – वह लोग कल आ जाएँगे।
शुद्ध – वे लोग कल आ जाएँगे।

अशुद्ध – तुम तुम्हारी किताब निकालो।
शुद्ध – तुम अपनी किताब निकालो।

अशुद्ध – मेरे को तेरे से जरूरी काम
शुद्ध – मुझे तुझसे ज़रूरी काम है।

अशुद्ध – इन सबों ने मेरी शिकायत करी।
शुद्ध – इन सबने मेरी शिकायत की।

अशुद्ध – कृपया करके बैठ जाओ
शुद्ध – कृपया बैठ जाइए।

अशुद्ध – क्रोध में उसने सारे आभूषण उतार फेंका।
शुध्द – क्रोध में उसने सारे आभूषण उतार फेंके।

अशुद्ध – तुमने यह क्या करा?
शुद्ध – तुमने यह क्या किया ?

अशुद्ध – यहाँ एक औरत और एक आदमी बैठा था।
शुध्द – यहाँ एक औरत और एक आदमी बैठे थे।

अशुद्ध – देश-रक्षा के लिए हम सेना पर निर्भर करते
शुद्ध – देश-रक्षा के लिए हम सेना पर निर्भर हैं।

अशुद्ध – आप दिल्ली आओ तो मुझसे ज़रूर मिलो।
शुद्ध – आप दिल्ली आएँ तो मुझसे ज़रूर मिलें।

अशुद्ध – वह पाँच सौ मीटर दौड भागेगा ।
शुध्द – वह पाँच सौ मीटर दौड़ दौड़ेगा।

अशुद्ध – मैंने आज काम पूरा कर लेना है।
शुद्ध –मैं आज काम पूरा कर लूंगा।

अशुद्ध – आपको मिलकर मैं अति प्रसन्न हुआ।
शुद्ध – आपसे मिलकर मुझे अति प्रसन्नता हुई।

[LITERATURE SECTION] पाठ्य पुस्तक / साहित्य

१ःअतिलघु उत्तरीय प्रश्नः

१ःआरिफ़ और सलीम सुबह-सुबह कैसे सपने देखते थे?
उ-आरिफ़ और सलमि सुबह कव्वाली गाने या आइस्क्रीम खाने के सपने देखते थे।

२ःअम्मीके अधिकार किसके द्वारा छिने गए थे?
उ-अम्मीके अधिकार आरिफ़औरसलीम द्वारा छिने गए थे।

३ःदादी सुबह नमाज़ पढ़नेके बाद क्या-क्या करती थीं?
उ-दादीसुबह नमाज़ पढ़नेके बाद दवाइया खातीऔर बादाम का हरीरा पीती थी।

४ः कोको के माता-पिता किस काम से,कहाँ गए थे?

उ-कोकोकेमाता-पिता धान लगाने खेत में गए थे।

५ः कोको ने पहली बार रोटियाँ छिपाकर कहाँरखी थीं?

उ-कोको ने पहली बार रोटियाँरेड़ियों के पिछे छिपा केरखी थी।

६ः मिमि को पापड़ खाते हुए कैसीआवाज़ सुनाई दी?

उ-मिमि को पापड़ खातेसमयहल्कीसीगुड़गुडानेकीआवाज़ सुनाई दी।

७ः चेले ने किसकीकौन-सी बात नहीं मानी?
उ-चेले ने गुरु की बात नहीं मानी कि इस अंधेर नगरी में एक पल भीनहीं रहना चाहिए।

८ः राजा ने संतरी को बुलाकर क्या पूछा?
उ-राजा ने संतरी को बुलाकर पूछा कि,"यह दीवार कैसे गिरी,इस दीवार को किसने बनाया।"

९ः दीवार गिरन के अपराध में सबसे पहले किसे,क्या सज़ा सुनाई गई?

उ-दीवार गिरने के अपराध में सबसे पहले कारीगर को सज़ा सुनाई गई।

१०ः मशक वाले ने किसे दोष दिया?

उ-मशक वाले ने मंत्री को दोषी ठहराया।

११ः स्वामीनाथन के दादा जीकिस पद पर थे?

उ-स्वामीनाथन के दादा जी सब-मजिस्ट्रेट थे।

१२ः राजम को गणित में कितने नंबर मिलते थे?

उ-राजम को गणित में सौ में से नब्बे नंबर मिलते थे।

१३ः दादी ने जो मैडलबुआ को दिया,उसका उन्होंने क्या किया?

उ-दादी ने जो मैडलबुआ को दिया,उसको गलवा कर बुआ ने चार चुड़ियाँबनवाली थी

१४ः गेहुँकेखेतों में तीतरों का जमावडा कब लगताहै?

उ- जबफ़सल पक जातीहै,तबतीतरो का जमावडालगताहै।

१५ः तीतर कहाँ फँसा छटपटा रहा था?

उ-तीतर गेहुँकीबालियों केबीच फँसा छटपटा रहा था।

१६ः तीतर को बचाकरभागनेके क्रम में कमीज़ फटने परभीबिशन को किस बात का-संतोष था?

उ- तीतर को बचाकरभागनेके क्रम में कमीज फटने परभीबिशन को इस बात का ळ संतोष था कि उसनेतीतर को बचालिया।

१७ः शिकारियों को कर्नलसाहब से क्या उम्मीद न थी?

उ- शिकारियों को उम्मीद न थी कितीतरों केशिकारपरकर्नलसाहब उन्हें डाँट देंगे।

१८ः कर्नलसाहब को घायल तीतरके उड़नपरसंदेहक्यों था?

उ- कर्नलसाहब को घायल तीतरके उड़नेपरसंदेह था क्योंकिवहजानते थे कि टूटे पाँव से तीतर उड़ नहीं सकेगा।

१९ः अपना कौन-साकाम, किसेसौंपकरकिशन, नेहरु जीके साथ चल पड़ा-था?

उ- अपना भैड़-बकरी चराने का कामबिशनअपनी बेटी को सौंपकरनेहरूजीके साथ चल पड़ा।

२०ः पाठ में बर्फ़ीलेमैदानकीतुलनाकिससेकीगई है?

उ- पाठ में बर्फ़ीलेमैदानकीतुलनादेवताओं के मुकुट से कीगई हैं।

२१ः नेहरुजी को खाई सेनिकलने में किस-किसनेमददकी?

उ- नेहरुजी को खाई सेनिकलने में उनकेभाई, एक कुली, औरबिशननेमदद की।

२२ः नेहरुजीसदाकिससे आकर्षित होतेरहे?

उ- नेहरुजीसदाहिमालयकी ऊचाईयों से आकर्षित होतेरहे।

२३ः नीनीकोकोके घर क्यों गया था?

उ-नीनीकोकोके घर परीक्षा कीखासखबरसुननेगया था।

२४ः भिश्ती को फाँसीक्यों दी जा रही थी?

उ-भिश्ती ने दीवारबनाने का गाराज्यादागीलाकरदिया था।जिससे दीवारकमजोर हो गई।

२५ः दूसरे बालक केअनुसार बालक कहाँ कहाँकामनहीं करसकता था?

उ- दूसरे बालक केअनुसार बालक किसीदफ्तरयाकॉलेज में कामनहीं करता।

२६ः फिर से आगाहकिसनेकिया?

उ- फिर से आगाह बेटू ने किया।

२: लघु उत्तरीय प्रश्न :

१: आरिफ़-सलीम ने मिलकर अबबा के सामने क्या दरखास्तरखी?

उ-आरिफ़-सलीम ने अबबा केसामन दरखास्तरखी कि, "एक दिनके लिए बड़े बच्चे बने और बड़ोके अधिकार बच्चों को दिए जाए।

२: आरिफ़ ने अपनी योजना की शुरूआत कैसे की?

उ-आरिफ़ ने बहुत सवेर अपनी अम्मी को झिंझोड कर योजना की शुरूआतकी।

३: सलीम ने अबबा के हुलिये की किस प्रकार से आलोचनाकी?

उ-सलीम ने अब्बाकेहुलियेके बारे में बतायाकिबालबढ़े हुए है, शेवबनाई नहींहै, कपड़ेमेलेहैं।"

४: कोको ने नीनीकेआनेपरदरवाज़ा देर से क्यों खोला?

उ-नीनीकेआनेपरकोको ने देर से दरवाजाखोलाक्योंकि उसेचावलकी रोटियाँ - छिपानी थी।

५: नीनीकोकोके घर क्यों गया था?

उ-नीनीकोकोके घर परीक्षा कीखासखबरसुननेगया था।

६: कोको ने घर में चूहेके घुसने की बात किससेकीऔरक्यों?

उ-कोको का पेट भूख से गुड़गुड़ारहा था। उसनेमिमि से झूठ कहा कि घर मे चूहाआगयाहै।वही ये आवाज खड़बड़-गड़गड़ कररहाहै।

७: अंधेर नगरी से परिचित होने के बाद गुरु ने क्या प्रतिक्रियाव्यक्तकी?

उ-अंधेर नगरी से परिचित होने के बाद गुरुजी ने कहा यहाँरहनाखतरे से खालीनहीं है, जहाँसभीचीजें टके सेर बिकती हो।

८: अंधेर नगरी में स्थित हाट की क्या विशेषता थी?

उ-अंधेर नगरी में स्थित हाट में सभीवस्तु टके सेर बिकती थी। मिठाई हो, भाजी हो, जीराहो, ककडीहो, सभीकिंमतीमामूलीवस्तु का एक हीमूल्य टके से।

९: भिश्ती को फाँसीक्यों दी जा रही थी?

उ-भिश्ती ने दीवारबनाने का गाराज्यादागीलाकरदिया था।जिससे दीवारकमजोर रहीऔरगिरगई। इसी दोष के लिए भिश्ती को फाँसीदी जा रही थी।

१०: मंत्री कीजानकैसेबची?

उ-मंत्री बहुत पतला-दुबला था। फाँसी का फंदाबड़ा बना जो मंत्री कीगर्दन में नहींबैठ रहा था। इस तरह मंत्री कीजानबची।

११:राजमकीकिससेदुश्मनीऔरफिरदोस्तीहुई थी? यह बात किसे, कौनबतारहा-था?

उ-राजमकी मणि से पहलेदुश्मनी थी फिरदोस्तीहुई यह बात स्वामीनाथन अपनीदादी को बतारहाहै।

१२: स्वामीनाथन किसकेपास, कौन-सीवर्दी होने की बात कररहा था? वहवर्दी उसकेपास कहाँ से आई?

उ-स्वामीनाथन दादी को बतारहा था किराजमकेपिताजीपुलिस अधिक्षक थे, इसलिए राजमके पास पुलिसकीवर्दीहै।

१३ : दादीकिसेमहामूर्खमानती थीं औरक्यों?

उ-दादीअपनी बेटी यानी स्वामीनाथन कीबुआ को महामूर्खमानती थी क्योंकिदादी ने जो मैडल

बुआ को एक याद के लिए दिया था औरबुआने उसमैडल को गलवा कर चार चुड़िया बनवा ली थी।

१४: " वो इधर से निकला उधर चलागया।" यहकिसने कहा?

उ- यहवाक्य बेटू ने कहा।

१५: दूसरे बालक केअनुसार बालक कहाँ कहाँकामनहीं करसकता था?

उ- दूसरे बालक केअनुसार बालक किसीदफ्तरयाकॉलेज में कामनहीं करता।

१६: फिर से आगाहकिसनेकिया?

उ- फिर से आगाह बेटू ने किया।

१७: पहला बालक अपने बाबा को कब,कहाँ जाने से मनाकररहा था औरक्यों?

उ- पहला बालक अपने बाबा को रात में बाहर जाने से मनाकररहा था क्योंकि बाघ न जने कब फिर से वहाँ आ जाए।

१८: जहाँ बाघ रहताहै उस विषय में पहले बालक ने बाबा को से क्या कहा?

उ- पहले बालक ने बाबा को बतायाकि एक रोजअपन उधर गए थे,झरनेके पास वहीते बाघ अपने दो बच्चों के साथ और बाघिन के साथ रहताहै। बाघ या तो सोताहैयबच्चों के साथ खेलताहै।

१९: बिशनरोज़ सवेरे कहाँऔरकिस उददेश्य से जाता था?

उ- बिशनरोज़ कर्नलसाहबके फारम हाउसजाता था। उसकीपत्नी उसकीपढ़ाई में मददकरती थी।

२०:बिशन को छिपने के लिए चिमनीके पीछे कीजगह सुरक्षित क्यों लगी?

उ- चिमनीके पीछे छिपने से बिशन सब को देखसकता था। परन्तु उसे कोई नहीं देखसकता था इसलिए वहजगह सुरक्षित लगी।

२१: कर्नलसाहबऔर उनकीपत्नी ने तीतर को किस प्रकारमददपहुँचाई?

उ- कर्नलसाहब ने तीतरकीमरहम पटटी करकेऔर उनकीपत्नी ने दलियाखीलाकर तीतरकीमददकी।

२२: बिशन को पिछले वर्ष कीकौन-सी घटना याद आई?

उ- बिशन को याद आई पिछले वर्ष किसतरहशिकारियों ने ढ़ेरोतीतर मारे थे और-ज्यादा घायल खेतों में छोड़ गए थे।

२३: बिशननेशिकारियों के विषय में क्या सोचा?

उ- बिशननेशिकारियों के विषय में सोचाकि बहुत दुःखपहुँचाने वालाकामकरतेहैं। इन्हें सबकसिखाना चाहिए।

२४: नलों से सूँ-सूँकीआवाज़ कब आतीहै?

उ- जबपूरेसमयनलो में पानीनहीं आता तब नलखोलनेपरसूँ-सूँकीआवाज़ आतीहै।

२५:जल-संकट से निपटने के लिए हमें किन दो चीज़ो को ठीक से समझनेऔर सँभालनेकीआवश्यकताहै?

उ-जल-संकट से निपटने के लिए हमें जल-चक्र को ठीक से समझनाहोगा। नदी,तालाबोकीरखवालीकरनीहोगी।

२५: नलों केपाइप में मोटर लगाकरआजकलपड़ोसियों का हककिस प्रकार छीना जा रहाहै? आगेचलकर इससेकौन-सी भीषण समस्या उत्पन्नहोतीहै?

उ- नलोकेपाइप में मोटर लगाकरपानीखींचने से पानी एक औरखिचजाता हैफिरपानीकीबड़ीसमस्या उत्पन्नहोतीहैऔरपैसो से पानीबीकनाशुरु हो जाताहै।

२६: हमें प्रकृति से पानी का खजानाकैसे प्राप्तहोताहै?

उ- यदि हम वनों की रक्षा करें, शहरों में वृक्षों का ज्यादारोपण करे, प्रदूषण फैलानेवाले पदार्थो का उपयोग कम करे, नदियों केकिनारेभवन, फैक्ट्री निर्माण न करवाए तो हम प्रकृति से कुँए, तालाबों, नदियों से वर्षा से पर्याप्त जल ले पाएँगें।

२७ः गर्मियों में नदी में कितनापानीरहताहै?

उ- गर्मियों में नदी में घुटनो तक का पानीरहताहै।

२८ः नदीकेदूसरेकिनारेपर स्थित बस्तीकिनकीहैऔरवहकिस प्रकारबसाई गई हैं?

उ- नदीकेदूसरेकिनारेपरताड़-वनहैवहाँ ब्राहमणों दवाराबस्तीबसाई गई - हैं।

२९ बच्चे मछलियाँकैसेपकडतेहै?

उ- बच्चेअपने गमछो का आँचल बिछाकर मछलियाँपकडतेहैं।

३०ः कविता में नदीकेजलके स्वच्छ होने का वर्णनकिस प्रकारकियागयाहै?

उ- कविता में नदीकेजल को इतना स्वच्छ व साफ़ बतायाहैजैसेआरपार-दिखाई देजैसे काँसे का बर्तनचमकरहा हो।

३१ः मैनानदी तट का सौदर्यकिस प्रकारबढ़ारहीहै?

उ- मैनानदी तट परदिनभरकिचपिचकरतीहैऔरवहाँकेवातावरण को और सुंदरबनादेतीहै।

३२ः नदीकेदोनों किनारों केआस-पास के प्राकृतिक दश्यकैसेहैं?

उ- नदीके एक किनारेपर घनी अमराई हैऔरदूसरीऔरताड़वनहैजहाँ पक्षीकिरकिचदृश्य और भी सुंदर बना देत हैं। बच्चों को नहाते हुए, -मछलियाँपकडते हुए शोर व बहुओं का कपड़े धोनबर्तन और पानी भरना दृश्य को सुंदरबनादेतेहैं।

३३ः बच्चेनदी में स्नानकरने का आनंदकिस प्रकार उठा रहेहैं?

उ- छोटे बच्चेनदी में उछल-उछल करनहारहेहैं और गमछा भिगाकर अपना शरीरभिगारहेहैं।

३४ः टोले की बहुएँनदी से किस प्रकारजुड़ीहुई हैं?

उ- टोले की बहुएँ लोटे-थाल माँज रहीहै, कपड़े धो रहीहै, जल्दी-जल्दीकाम करकेअपने घर कीऔर जा रहीहै।

३५ः जवाहरलालनहरु नेकिसकीकौन-सीचुनौतीस्वीकारकी थी?

उ- जवाहरलालनेहरु नेहिमालयकी ऊचाईयों की व दुर्गमरास्तों कीचुनौती ळ स्वीकारकी।

३६ः तिब्बतकीबर्फ़ीलीहवा असहय होने के साथ-साथ सुखदायी एवं लाभकारी भी थी। कैसे?

उ- तिब्बतीपठार का दृश्यनिराला तो दिखरहा था,दूर-दूर तकवनस्पति-रहितउजाड़ चटटानी इलाको में एकदम उदासवीरान, बर्फ से ढ़की हुई लेकिन ळसुबहकीसुनहरीकिरणों का स्पर्श,सफेदबर्फ ऐसे चमकती मानो ताज हो ऐसा दृश्यमन को सुकून व शांति देताहै।

३७ः नेहरुजीकेखाई में गिरनेपररस्सीही एकमात्र उनकासहारा थी।कैसे?

उ- नेहरुजीचढ़ाई चढ़ रहे थे तब रस्सी से बँधे थे। पहाड़ोपररस्सीके सहारे- एक दूसरे को बाँधकर चढ़तेहै,जबनेहरुजीखाई में गिरे तो फ़िसलनके ळकारण ऊपर आ पानाकठिन था। तब बस एक मात्र सहारारस्सीहीहोतीहैजिसे ऊपर वाले लोग खींचतेहैऔरगिराहुआव्यक्ति ऊपर आ पाताहै।

३:दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

१-सलीम ने अम्मी को टोककर क्या कहा? अम्मी को खाना छोड़कर गुसलखानाक्यों-जानापड़ा?

उ-सलीम ने अम्मी को टोकते हुए कहा कि आपके दाँत कितने गंदे हो रहे है। जिसे -सुनकर अम्मी झेप गई और खाना छोड़कर गुसलखाने की और चल दी।

२ अब्बा का हँसते-हँसत बुराहालक्यों हो गया?

उ-अब्बा का हँसते-हँसतेबुराहाल हो गयाक्योंकिआरिफ़ ने अब्बाकी अच्छे से नकल उतारी थी।

३: कोको ने रेडियोखराब होने और उसमें करंट आनेकी बात किससेकहीऔरक्यों?

उ-कोको ने रेडियोखराब होने की बात नीनी से कही थीं क्योंकिरेड़ियोके पीछे कोको ने रोटियाँ छिपाई थी इसलिए कोको ने कहा रेड़ियोखराबहै उसमें करंट आ रहाहै।

४: कोको दवारा बार-बार रोटियाँ छिपाने का क्या कारण था?

उ-कोको को बहुत भूखलगी थी, उसकीमम्मीउसके लिए चावलकी रोटियाँबनाकररख

गई थी। बार-बार कोई न कोई उसके घर का दरवाज़ा खटखटाता था। कोकोकिसी-के साथ मिलबाँटकर रोटियाँखानाचाहता था, इस कारण उस रोटियाँ छिपानी पड़ती थी।

५: कोको का फूलदानक्यों बदलगया? उससे उसे क्या नुकशान उठाना पड़ा?

उ-कोकोकी माँ ने दुकानदार से नीलाफूलदान माँगा था, परंतु दुकानदार ने कुछ समयके लिए गुलाबीरंग का फूलदान दे दिया था। कोको ने जब रोटियाँ छिपाई थी तभी दुकान का मैनेजरआकरनीलफूलदानरखगयाऔरगुलाबीफूलदानवापस ले गया, इस तरह रोटियाँभी साथ चलीगई।

६:अपनेविदयार्थी जीवनके बारे में स्वामीनाथन को किससे क्या जानकारी प्राप्तहुई?

उ-स्वामीनाथन को दादी ने दादाजीके बारे में बतायाकिवहपढ़ाई में बहुत तेज थे। उन्हें उत्तर देने में बहुत कम समयलगता था। उनके उत्तर से परीक्षक भीचकित रह जाते थे और उन्हें दो सौ नंबर दे देते थे। एम ए में उन्हें मैडलभीमिला था।

७:राजमकीवीरताकीकहानी को अपनेशब्दों में लिखिए।

उ- राजम एक छोटा, बहादुरऔरहोशियारलड़का था। एक बार वहपिताके साथ जंगल में गयाजहाँ दो शेरों से सामनाहुआ।एक शेर ने पिता को गिरादिया, दूसरेशेर ने राजम को पीछे धकेला, जिससेवहझाड़ियों के पीछे जा गिरा, वहाँसे उसनेशेरपरगोलीचलादी। इसतरहराजम ने एक शेर को मारा था।

८: दादी ने स्वामीनाथन को उसके दादा के उत्तरलिखनेकेसंदर्भ में क्या बताया?

उ- दादी ने स्वामीनाथन को दादा के उत्तरलिखनेके बारे में बतायाकि उन्हें उत्तर देनेमें बहुत कम समयलगता था। उनके उत्तर से परीक्षक भीचकित रह जाते थे और उन्हें दो सौ नंबर दे देते थे। एम ए में उन्हें मैड़लभीमिला था।

९:स्वामीनाथन केमन में दूसरेही क्षण संदेहपैदाक्यों हुआ?

उ- स्वामीनाथन जबदादी को राजमकीकहानीसुनारहा था तब उसेदादी का उत्तरसही न होने पर चिढ़ हुई थी। लेकिनजबदादी ने राजम को अच्छा बच्चाबताया तब स्वामीनाथन केमन में दूसरेही क्षण संदेहहुआकिशायददादी को शेरकीकहानीपसंदनहीं आतीया इस कहानीपरदादी को विश्वासनहीं हो रहाहै।

१०: बिशन को पिछले वर्ष कीकौन-सी घटना याद आई?

उ- बिशन को याद आई पिछले वर्ष किसतरहशिकारियों ने ढ़ेरोतीतर मारे थे और-ज्यादा घायल खेतों में छोड़ गए थे।

११:बिशननेशिकारियों के विषय में क्या सोचा?

उ- बिशननेशिकारियों के विषय में सोचाकि बहुत दुःखपहुँचाने वालाकामकरतेहैं। इन्ह सबकसिखाना चाहिए।

१२ः नलों केपाइप में मोटर लगाकरआजकलपड़ोसियों का हककिस प्रकार छीना जा रहाहै? आगेचलकर इससेकौन-सी भीषण समस्या उत्पन्नहोतीहै?

उ- नलोकेपाइप में मोटर लगाकरपानीखींचने से पानी एक औरखिचजाता हैफिरपानीकीबड़ीसमस्या उत्पन्नहोतीहैऔरपैसो से पानीबीकनाशुरु हो जाताहै।

१३ः हमें प्रकृति से पानी का खजानाकैसे प्राप्तहोताहै?

उ- यदि हम वनों की रक्षा करें, शहरों में वृक्षों का ज्यादारोपण करे, प्रदूषण फैलानेवाले पदार्थो का उपयोग कम करे, नदियों केकिनारेभवन, फैक्ट्रीनिर्माण न करवाए तो हम प्रकृति से कुँए, तालाबों, नदियों से वर्षा से पर्याप्तजल ले पाएँगें।

१४ः पुस्तकों में जल-चक्र को किस प्रकारदर्शायाजाताहै?

उ- पुस्तकों में जल-चक्र को बहुत हीसुंदर चित्र दवारादर्शायाजाताहैजिसमें सूरज, समुद्र, भाप , बादल, धरती परपडतीबरसातकीबूँदे फिरनदियों मेंपानी का स्तर, बहावऔरउसीसुंदरबहतीनदीकिनारेहमारा गाँव औरशहरहरे-भरेखेत। इस तरहसुंदरजल-चक्र दर्शायाजाताहै।

१५ः नलों में पानी को लेकरकौन-कौनसी समस्याएँ उत्पन्नहोतीहै? उनका हम पर क्या प्रभाव पड़ताहै?

उ- जबपानीकोकमीपड़तीहै तब पूरेसमयनलों में पानीनहीं आताहै। पानीआताभीहै तो बेवक्तआताहै। कभी आधी रात को, कभीसुबहसवेरे। पानी को लेकरकभी-कभीआपस में लडाई झगड़ेभी हो जाताहै। कई लोग पाइप में मोटर लगाकरपानीखींचलेतेहै। जिससेपानीकीपरेशानीबढ़ जातीहै। मजबूरी में कई बार लोग पानीखरीदकरकर लाते हैऔर-उपयोग में लेतेहै।

१६ः अकाल औरबाढ़ एक हीसिक्केके दो पहलूहैं। कैसे?

उ- बिगडते हुए मौसम चक्र व कम वर्षा केकारण अकाल जैसी स्थिति पैदा- हो जातीहैऔरजबवर्षा कम होने लगतीहै तब साफ़ पानीभीबहजाताहैउनकासंग्रहो पानामुश्किल हो जाताहै। कही-कही इतनी वर्षा हो जातीहैकिबाढ़ में अच्छे-अच्छेशहर डुब जातेहै। इसतरहपानी का कम होनायाज्यादाहोना एक हीसिक्केके दो पहलूहैं।

१७ः अमरनाथ जाने कीजवाहरलालनेहरूजीकी उत्सुकताकिसने , किस प्रकार बढ़ादी?

उ- अमरनाथ जाने की उत्सुकताजवाहरलालनेहरुकेमन में उनकेभाई, कुली, औरबिशननेबढ़ादी।व बताते रहे अमरनाथ की ऊँचाई, रास्तों की कठिनाइयों, दुर्गम-वीरान पत्थरीलें रास्तों का रोमांच और बर्फीले तूफानों का सामना करने की बात सुन कर नेहरुजी अमरनाथ जाने के लिए बहुत उत्सुक हुए।